आपके पत्र

रोचक जानकारी

सीएसआईआर-निस्केयर द्वारा प्रकाशित हिन्दी मासिक पत्रिका 'विज्ञान प्रगति' का मैं लगभग चालीस वर्षों से पाठक रहा हूँ। यह पत्रिका जिज्ञासुओं एवं अन्य लोगों के लिए समान रूप से लोकप्रिय है। पत्रिका में प्रकाशित लेख, रोचक जानकारी एवं स्थायी स्तंभ अपने आप में महत्वपूर्ण हैं। पत्रिका जितनी प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों के लिए उपयोगी है उतनी ही विज्ञान के छात्रों एवं शिक्षकों के लिए। और तो और कृषकों के लिए महत्वपूर्ण विषय सामग्री प्रकाशित करने के लिए भी आपको साधुवाद! अब मैं अपने व्यक्तिगत अनुभव से कुछ तथ्य/सुझाव आपके सम्मुख रखना चाहता हूँ। पत्रिका का स्थायी स्तंभ 'सवाल-जवाब' भी अत्यंत रोचक और ज्ञानवर्द्धक था। इसमें सम्मिलित प्रश्न सामान्यतः विज्ञान की किताबों में नहीं मिलते। डॉ. देवकी नंदन जी का ज्ञान, उत्तर देने की शैली और विद्यतापूर्ण विश्लेषण इस स्तंभ को अत्यंत उपयोगी बना देता था। लेकिन खेद है कि कुछ दिनों से यह स्तंभ बंद कर दिया गया। इसका कारण तो आप ही बेहतर जानते होंगे। मेरे जैसे सैकड़ों पाठक इस स्तंभ के बंद हो जाने से निराश हैं। मैं आशान्वित हूँ कि आप इसे पुनः प्रारम्भ करेंगे। पाठकों के हित में कृपया पुनश्च इस स्तंभ को प्रकाशित करें।

मैं एक और सुझाव देना चाहता हूँ, यदि आप कर पाएँ। यह स्तंभ (सवाल जब जब, जवाब तब तब) कई वर्षों से प्रकाशित होता रहा है। सवालों की प्रकृति 'यूनीक' रही है, यदि वर्षों से आपकी पत्रिका में प्रकाशित इन प्रश्नों को (उत्तर सहित) पुस्तकाकार में उपलब्ध कर दिया जाय तो यह अत्यंत उपयोगी और पुनीत कार्य होगा। मननशील अध्ययनशील जिज्ञासु पाठकों को यह पुस्तिका बहुत संतोष देगी। मैं आशान्वित हूँ कि आपकी पत्रिका के अगले अंकों में यह स्तंभ अपने नए रूप में पाठकों के समक्ष होगा।

श्री कृष्णदत्त त्रिपाठी
रिटायर्ड डिविजनल डिप्टी कमिश्नर
रीवा डिविजन, रीवा (म.प्र.)

सर्वोपयोगी पत्रिका

प्रार्थी स्वयं व उसके पिता एक प्रगतिशील किसान हैं। हमारे पिताजी ने करीब दो सौ से अधिक वेराइटी के पेड़-पौधों का रोपण किया है। इनका रोपण 1980 में किया था, व समय-समय पर इसकी पेपरों में खबरें भी छपी हैं। हम चाहते हैं कि जो भी साहित्य पत्र/पत्रिका आपके पास हों आप हमें भेजें, जिससे कि यहां के लोगों को नई-नई जानकारियां उपलब्ध हो सकें। 'भारत की सम्पदा' की बुक भी भेजें व साथ में हमें यह भी बताएं कि किसी चीज का पेटेंट कराना हो तो किस विभाग से सम्पर्क किया जाय? पता बतायें। हमें विज्ञान प्रगति बहुत ही ज्ञानवर्धक पत्रिका लगती है। इससे हमें बहुत लाभ हुआ।

श्री शिव कुमार मौर्य
ग्राम-रायपुर, पो-नयपुर-वजीरगंज
जिला-गोण्डा 271 129 (उ.प्र.)
[मो.: 09554902715]

प्रेरणास्रोत अंक

'विज्ञान प्रगति' में प्रकाशित महत्वपूर्ण जानकारियों के संदर्भ में कुछ भी लिखने से पहले 'वैज्ञानिक चिंतन' होना चाहिए। एक लंबे अर्से बाद कुछ लिखने बैठा हूँ। विज्ञान प्रगति के गंभीर साथियों की वजह से 'आमी नदी से मंदाकिनी' तट की यात्रा कर पाया। नवम्बर का अंक इस दिशा में एक प्रेरणास्रोत है। यह अंक विश्व टेलीविजन विशेषांक है। 'अपनी बात' में टेलीविजन के ऐतिहासिक पहलुओं से लेकर आधुनिक तकनीकी के विषय में संक्षेप में समझाया गया है। इस अंक में हमें कपड़े के पर्दे पर बनी फिल्म एवं चौकोर डिब्बे का अंतर समझ आता है। 'शुभदा कपिल' जी के कठोर श्रम की वजह से थ्री डी मॉडल, वी एफ एक्स, क्रोमा, एनिमिनेशन, दुनिया एवं भारत में डबल रोल का ऐतिहासिक वृतांत आदि पढ़ने को मिलता है।

डा. मेहर वान द्वारा लिखित विशेष लेख 'बहुत पसंद आया। डॉ. सरोज सिंह ने बीबीसी के अनुभवों से काफी कुछ बयां किया है।

चलते-चलते एक निवेदन, फिल्म, सिनेमा, साहित्य, विज्ञान एवं तकनीकी से संबंधित शोधार्थी एवं विद्यार्थियों के लिए इस अंक में बहुत कुछ समाया है।

श्री देवेश त्रिपाठी (स्वतंत्र लेखक)
ग्राम व पोस्ट-मेंहदूपार
जनपद-संत कबीर नगर 272 154 (उ.प्र.)
[मो.: 09161008183;
ई-मेलः degkp34@gmail.com]

अति उत्तम विशेषांक

विज्ञान प्रगति ने मुझे सदैव ही प्रोत्साहित किया है। पढ़ने और लिखने के लिए तथा मेरे लिखे लेखों पर जो प्रतिक्रियायें आईं उनसे यह प्रतीत हुआ कि यह पत्रिका हमारे देश के दूर-दराज के क्षेत्रों में भी बड़े ही ध्यान और आशा के साथ पढ़ी जाती हैं। यह पत्र मैं विशेषांक जून 2020, पादप स्वास्थ्य एवं संरक्षण को पढ़ने के उपरान्त लिख रही हूँ। संपादक गण का विषय चयन, फोटोग्राफ आदि अति उत्तम हैं। बायोंसेंसर द्वारा बीज-जनित रोगजनकों का निदान विषय आधुनिक एवं सामयिक है। प्लांट क्वारेन्टाइन पर लिखा लेख भी उत्तम है और उपयोगी भी होगा। विशेषतौर पर नई पीढ़ी के लिए यह बहुत ही ज्ञानवर्धक है।

डॉ. सुनीता गर्ग
एमेरिट्स वैज्ञानिक
सीएसआईआर-निस्केयर नई दिल्ली 110 012
[ई-मेलः sunita.niscair@gmail.com]

नियमित पाठक

मैं विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक हूँ और मुझे इसका प्रत्येक अंक रोचक, अद्वितीय एवं ज्ञानवर्धक लगता है। मैं विज्ञान प्रगति को दिव्य ज्ञान की ज्योति मानता हूँ, क्योंकि इस पत्रिका के माध्यम से प्राप्त होने वाली नवीन जानकारियाँ विद्यार्थियों के साथ-साथ प्रत्येक वर्ग एवं विषय के व्यक्तियों के लिए बहुत उपयोगी और ज्ञानवर्धक होती हैं। विज्ञान प्रगति के स्तम्भ जैसे सीएसआईआर बुलेटिन, विज्ञान क्विज, युवा वैज्ञानिक, नवीन प्रौद्योगिकी हमेशा से ही रोचक रहे हैं। मैं सम्पूर्ण संपादक मंडल को विज्ञान प्रगति जैसी प्रतिष्ठित पत्रिका को प्रकाशित करने के लिए शुभकामनाएं देता हूँ।

श्री विमल वर्मा
मोहल्ला दुर्गाप्रसाद, बीसलपुर
जिला-पीलीभीत 262 201 (उ.प्र.)
[मो.: 0962793892]

सूचना

सभी सुधी लेखकों को अवगत कराना है कि अपने लेख के साथ अपना बैंक ब्यौरा, (बैंक का पता आई एफ एस सी कोड) तथा एकाउन्ट नम्बर अवश्य भेजें। जिन लेखकों का बैंक ब्यौरा समय से प्राप्त नहीं होगा, उनका मानदेय नहीं दिया जा सकेगा।